an>

Title: Regarding need to provide relief to farmers who lost their crops due to natural calamities in the country.

श्री ओम बिरला (कोटा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, देश के उत्तर भारत सहित कई हिस्सों में पिछले तीन दिन से असामयिक तेज बारिश और आंधी के कारण किसान की खड़ी फसल चौपट हो गयी है। राजस्थान के तमाम इलाकों में गेहूं, धनिया, सरसों, चना, जीरा, इसबगोल आदि फसलें कटने की स्थिति में थीं, लेकिन तेज बारिश के कारण वे चौपट हो गयीं। इस बार राजस्थान के कई हिस्सों में गेहूं की फसल का उत्पादन बहुत बड़ी मात्रा में होने वाला था, लेकिन तेज बारिश और अंधड़ के कारण किसान की लहलहाती फसल, जो कटने के लिए तैयार थी, उसके अलावा कई फसलें कटकर खेत में पड़ी हुई थीं, वे सब चौपट हो गयी हैं। आज वह किसान बर्बाद हो गया है।

माननीय अध्यक्ष महोदया, किसान की लागत का पैसा भी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, जो राष्ट्रीय आपदा कोष है, उससे नहीं मिल पाता है। केन्द्र सरकार ने अभी राज्य सरकार का अंशदान बढ़ाया है, इसलिए केन्द्र और राज्य सरकार, दोनों मिलकर किसानों की फसल का खेतवार सर्वे करवाये और उन्हें उनकी लागत का मुआवजा दे, ताकि किसान आत्महत्या के लिए मजबूर न हो।

मेरे संभाग कोटा, बूंदी, बारा झालावाड़ में गेहूं, धनिया और सरसों की फसल संपूर्ण चौपट हो गयी है। मेरी आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से मांग है कि एक स्पेशल पैकेज देकर किसानों को राहत दी जाये, ताकि किसान ऋण से डूबने से बच सके।

माननीय अध्यक्ष : जो बारिश हुई है, उस बारे में बहुत से सदस्यों ने निवेदन किया है। इसलिए मैं इसमें दो-तीन सदस्यों को बोलने के लिए एलाऊ कर रही हूं।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : अध्यक्ष महोदया, मैं भी सम्मानित सदस्य ओम बिरला जी की बात से सहमत हूं। किसान के लिए वाकई ही बुरे दिन चल रहे हैं। एक के एक बाद, पहले खरीफ की फसल में किसान को पूरा भाव नहीं मिला। उसके बाद यूरिया में ...(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): महोदया, इस तरह से नहीं होना चाहिए। यह अनुचित है। कल रात की बारिश के बाद पूरे देश और मध्य भारत, राजस्थान, हरियाणा में ...(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदया, मैंने कोई आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग नहीं किया है। ...(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी: इन्होंने विषय बदल कर चर्चा शुरू कर दी। अगर वे इससे सम्बद्ध हैं तो सीधे विषय पर आयें। यहां खरीफ की फसल के बारे में न बोलें, क्योंकि किसानों की चर्चा हो चुकी है। ...(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: हम उसी विषय पर आ रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं रूडी जी की बात का सम्मान करते हुए कहना चाहूंगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको हमेशा विपक्ष में नहीं जाना चाहिए। जो समस्या है, उसे समस्या के रूप में उठाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदया, विपक्ष की बात नहीं है। यूरिया की दिक्कत रही, जो सच्चाई है। ...(व्यवधान) यूरिया की दिक्कत के बाद अब दो-तीन दिन से बारिश हो रही है । मैं समझता हूं कि उत्तर भारत में इस तरह की बारिश, इस तरह का अनुमान लगाया जा रहा है कि कई शहरों में मार्च के महीने में एक दिन की बारिश का रिकार्ड कल टूटा है, जिसमें मेरठ, रोहतक, हिसार, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब आदि कई शहर शामिल हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में भी बारिश हुई है। सब जगह बारिश हुई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: पूरे उत्तर भारत में बारिश हुई है। आप भी इस बात के लिए हमसे सहमत हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हां, सहमत हूं।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: इस बारिश से होने वाला नुकसान हर फसल में है खास तौर पर सरसों और गेहूं की खड़ी फसल में। मैं समझता हूं कि सरकार को तुरंत इसे अति संवेदनशीलता से लेना चाहिए। हमने पिछले सत्र में भी मांग की थी कि एग्रेरीयन क्राइसेज पर चर्चा हो। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह चर्चा तो बाद में होगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : इसे भी उसमें जोड़ लिया जाये, क्योंकि बिजनस एडवाइजरी कमेटी ने नियम 193 पर चर्चा ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अभी इस विषय पर बात कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: इसे उसमें जोड़ा जाये और सरकार तुरंत गिरदावरी के निर्देश दे। हर खेत में कितना नुकसान हुआ है, उसका आंकलन किया जाये और मुआवजा मिले। ...(व्यवधान) किसान को पूरा मुआवजा मिले।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे देश के किसानों से जुड़े हुए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय के बारे में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी हूं। यह विषय राजनीति का विषय नहीं है। आपने संवेदनशीलता दिखाई और कई माननीय सदस्यों को बोलने का मौका दिया। श्री ओम बिरला जी और अन्य माननीय सदस्यों ने जो कहा है, मैं उसे

दोहराना नहीं चाहता हूं। मैं कल इटावा औरैया में था, वहां 44 मि.मी. बारिश हुई। जहां फसलों का नुकसान हुआ, मैं वहां की तीन घटनाओं का उल्लेख करना चाहता हूं। हमीरपुर के कुलहेटा गांव के इन्द्रपाल किसान ने बैंक से कर्ज लिया हुआ था, उनको उम्मीद थी कि अच्छी फसल होगी और वह बैंक की ईएमआई देंगे। जब बारिश हुई और वह अपने खेत पर गए, उनकी गेहूं की फसल खेत में सो गई, लेट गई तो उन्होंने वहीं फांसी लगा ली। इसी तरह उत्तर प्रदेश में तीन घटनाएं हो गई। उन्नाव और राजथाने में चांदगांव के वीरेन्द्र सिंह ने आत्महत्या की। हमीरपुर के भगवा समेलपुर के पलहेटा गांव में राजा भैया तिवारी जी खेत पर गए और जब वे वापस आए तो उनकी सदमे से मौत हो गई। उत्तर भारत में शनिवार की रात से शुरु बारिश से शुरु हुई है, कहीं तो 22 मि.मी. है और कहीं 42 मि.मी. है। इससे किसानों की फसलों की बहुत क्षति हुई है। गेहूं, सरसों, दलहन, तिलहन और आलू की क्षति हुई है। केंद्र से टीम जानी चाहिए और जिन राज्यों में असामयिक बारिश के कारण किसानों का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई होनी चाहिए। पूर्व उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थ नगर और गोरखपुर में भी काफी नुकसान हुआ है।

माननीय अध्यक्ष:

डॉ. वीरेन्द्र कुमार को श्री जमदग्निका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय बिरला जी और अन्य माननीय सदस्यों से सहमत हूं। मैं भी कल अपनी कांस्टीटुएंसी के भ्रमण पर था। वास्तविकता यह है कि जीरा, ईसबगोल और कमर्शियल फसलें पकने की स्थिति में थी, चौपट हो गई हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदया ने टेलीफोन पर कहा था कि स्थिति देखकर अवगत कराएं। मैंने उनसे भी निवेदन किया और आज सदन के माध्यम से माननीय कृषि मंत्री और गृह मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि केंद्र से टीम भेजी जानी चाहिए जो उन राज्यों का आकलन कर ले जिन राज्यों में नुकसान हुआ है। किसानों को राहत मिलनी चाहिए क्योंकि ये बड़ी मेहनत से खेती करते हैं लेकिन प्राकृतिक आपदा के कारण फसलें चौपट हो जाती हैं। ऐसे समय में सरकार का कर्तव्य बनता है कि केंद्र से टीम भेजी जाए, जायजा लिया जाए और उसी के अनुरूप नुकसान का भुगतान किया जाए। कई बार ऐसा होता है कि नुकसान का भुगतान देर से होता है और बहुत कम एमाउंट होता है, इस कारण काश्तकार संतुष्ट नहीं होते हैं। मेरा पुनः निवेदन है कि उनको कम से कम फसल का लागत मूल्य दिया जाए जिससे उनको रिलीफ मिल सके।

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार): माननीय अध्यक्ष जी, ओम बिरला जी ने इस चर्चा की शुरुआत है। नार्दन इंडिया में बारिश के कारण फसल की बर्बादी हुई है। हम किसान को अन्नदाता कहते हैं क्योंकि वे अपना पेट पालने से पहले हमारा पेट पालते हैं लेकिन आज वह अन्नदाता दुखी है। विशेषकर गिरदावरी, पूरे हरियाणा, आउटर दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और जहां फसल का नुकसान हुआ है, अन्नदाता की सुधबुध जानने के लिए मैं सभी सदस्यों से निवेदन करता हूं कि माननीय कृषि मंत्री से मांग करें कि वह प्रदेश सरकारों को आज ही आदेश दें। पिछले साल सूखे का मुआवजा भी नहीं पहुंचा है। किसानों को कम से कम प्रति एकड़ 30,000 रुपए का मुआवजा दिलवाएं और तुरंत कार्यवाही करें।

13.00 hrs

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : माननीय अध्यक्ष जी, जैसा कि माननीय सदस्यों ने कहा है, मेरे बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति वैसे भी पहले से ही खराब रही है, कई सालों से यहाँ सूखे के कारण स्थिति खराब थी और अभी ओले पड़ने के कारण, बारिश तो बाद में हुई, लेकिन उसके पहले बहुत बड़ी मात्रा में ओला पड़ा है, उसके कारण वहाँ पर पूरी फसल नष्ट हो गयी है। उसके बाद लगातार दो दिनों तक हुई बारिश से स्थिति और अधिक विषम हो गई है। आपके माध्यम से मेरा सदन से अनुरोध है कि इस संबंध में ऐसा निर्देश दिया जाए कि राज्य सरकार से को-ऑर्डिनेट करके केन्द्र सरकार उस पर व्यापक व्यवस्था करे, जिससे उन किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर न होना पड़े।

माननीय अध्यक्ष : अब करीब-करीब सभी लोगों की बात पूरी हो गई, जिनको एसोसिएट करना है, वे अपने-अपने नाम लिखकर दे दें क्योंकि जहाँ-जहाँ नुकसान हुआ है, उससे सभी लोग चिन्तित होंगे, इसे मैं भी समझ रही हूँ।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

सर्वश्री भानु प्रताप सिंह वर्मा

लखन लाल साहू,

रमेश बिधूड़ी,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती कमला पाटले,

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह,

सर्वश्री सुमेधानंद सरस्वती,

सुधीर गुप्ता,

राजकुमार सैनी,

राजेश कुमार दिवाकर,

प्रहलाद सिंह पटेल,

देवजी एम. पटेल,

श्रीमती संतोष अहलावत,

सर्वश्री दहन मिश्रा,

श्रीरंग आप्पा बारणे,

नारणभाई भिखाभाई काछड़िया,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

सर्वश्री हरिओम सिंह राठौड़,

गजेन्द्र सिंह शेखावत,

हरीश मीना,

राहुल कस्वां,

नाना पटोले और

श्री शरद त्रिपाठी को श्री ओम बिरला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

***m32**

श्री राजीव प्रताप रूडी: माननीय अध्यक्ष महोदया, जिस विषय को श्री ओम बिरला जी ने उठाया है, उसके साथ ही श्री सी.आर. चौधरी जी, जो नागौर, राजस्थान से हैं, श्री दीपेन्द्र हुड्डा जी हरियाणा से, श्री जगदम्बिका पाल जी उत्तर प्रदेश से, श्री दुष्यंत चौटाला जी और श्री भैंरो प्रसाद मिश्रा जी ने इस विषय को उठाया है। यह सचमुच अप्रत्याशित रहा है, जिस प्रकार से पिछले दो दिनों से पूरे उत्तर भारत में, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा अप्रत्याशित रूप से हुआ है। â€¦(व्यवधान) बिहार में अभी झींसी पड़ रहा है। आप पता लगा लीजिएगा, वहां अभी वैसा नुकसान नहीं है। पूरे देश में जिस प्रकार से इस बारिश के कारण नुकसान हुआ है, यह बहुत ही अप्रत्याशित रूप से बारिश हुई है। â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जहाँ पर भी नुकसान हुआ हो।

श्री राजीव प्रताप रूडी : जिस अनुपात में किसानों का नुकसान हुआ है, खास तौर से राजस्थान और हरियाणा में जीरा, सरसों, गेहूँ इत्यादि फसलों का नुकसान हुआ है। â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मध्य प्रदेश का नाम लिया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी : निश्चित रूप से सरकार जीवित है और पूरे जीवंत रूप से हमने इस विषय के बारे में कहा है। माननीय सदस्यों द्वारा उठाये गये इस विषय को मैं माननीय कृषि मंत्री जी के संज्ञान में लाऊँगा। किसानों के पक्ष में जो भी विषय हों, जिस प्रकार की भी हों और जिस प्रकार से इस प्रकार की घटनाएँ होती हैं, हम पूरी तरह से इस समस्या के निदान के लिए कार्रवाई करेंगे।